chapter 2: संघवाद

प्रश्न: भारत में संघीय शासन का तीसरा स्तर क्या है ?

उत्तर: पंचायती राज और नगरपालिका |

प्रश्न: शक्तियों के बँटवारे से आप क्या समझते है ?

उत्तर: शक्तियों के बँटवारे का अर्थ है किसी शासन प्रणाली में विभिन्न सरकारों के बीच उनके अधिकारों और कार्यों का बंटवारा | ताकि बिना किसी विवाद के वे सभी सरकार सुव्यवस्थित ढंग से चलायी जा सके |

प्रश्न: संघीय व्यवस्था में शक्तियों की बँटवारे में प्रमुख भूमिका किसकी है ?

उत्तर: संविधान |

प्रश्न: केंद्र और राज्यों के विवाद में कौन निर्णायक भूमिका निभाता है ?

उत्तर: सर्वोच्य न्यायालय |

प्रश्न: सर्वोच्य न्यायालय को संविधान का व्याख्याकार क्यों कहा जाता है ?

उत्तर: केंद्र और राज्य के बीच विवाद की स्थित में सर्वोच्य न्यायालय संविधान के अनुसार उनके अधिकारों की अथवा शक्तियों की व्याख्या करता है | कोई कानून संविधान सम्मत नहीं है तो सर्वोच्य न्यायालय संविधान द्वारा दिए उन अधिकारों की व्याख्या करता है |

प्रश्न: भारत में किस प्रकार की शासन व्यवस्था है ?

उत्तर: संघीय शासन (दोहरी शासन प्रणाली) |

प्रश्न: संविधान द्वारा केंद्र और राज्यों के बीच विधायी अधिकारों किस प्रकार बाँटा गया है ? वर्णन कीजिए |

www.atpeducation.com

Downloaded from: www.atpeducation.com

Link: http://www.atpeducation.com/view-notes.php?id=notes&ch=10&chpt=Political Science&me=1&view=chapter 2: संघवाद &page=1

उत्तर: संविधान द्वारा केंद्र और राज्यों के बीच विधायी अधिकारों को तीन भागों में बाँटा गया है |

(1) संघ सूची : संघ सूची में प्रतिरक्षा, विदेशी मामले, बैंकिंग, संचार और मुद्रा जैसे राष्ट्रिय महत्त्व के विषय है | संघ सूची में वर्णित विषयों के बारे में कानून का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार को है |

(2) राज्य सूची : राज्य सूची में पुलिस, व्यापार, वाणिज्य, कृषि और सिंचाई जैसे प्रांतीय और स्थानीय महत्त्व के विषय शामिल हैं | राज्य सूची में वर्णित विषयों के बारे सिर्फ राज्य सरकार ही कानून बना सकती है |

(3) समवर्ती सूची : इसमें शिक्षा, वन, मजदुर-संघ, विवाह, गोद लेना और उतराधिकार जैसे वे विषय शामिल हैं जो केंद्र के साथ राज्य सरकारों की साझी दिलचस्पी में आते हैं | इन विषयों पर कानून बनाने का अधिकार राज्य सरकारों और केंद्र सरकार, दोनों को ही है |

प्रश्न: समवर्ती सूची में वर्णित अधिकारों को लेकर यदि केंद्र और राज्य सरकारों के द्वारा बनाये कानूनों के बीच टकराव की स्थित में किसके बनाया गया कानून मान्य होता है ?

उत्तर: केंद्र द्वारा बनाया गया कानून ही मान्य होगा |

प्रश्न: भारत के एक राज्य का नाम बताइए जिसका अपना संविधान है ?

उत्तर: जम्मू-कश्मीर |

प्रश्न: किन-किन व्यवस्थाओं में जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा प्राप्त है |

उत्तर: निम्न व्यवस्थाओं में जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा प्राप्त है |

(i) जम्मू-कश्मीर का अपना संविधान है |

(ii) इस राज्य में विधान सभा की अनुमति के बगैर भारतीय संविधान के कई प्रावधानों को लागु नहीं किया जा सकता |

www.atpeducation.com

Downloaded from: www.atpeducation.com

Link: http://www.atpeducation.com/view-notes.php?id=notes&ch=10&chpt=Political Science&me=1&view=chapter 2: संघवाद &page=1

(iii) इस राज्य के स्थायी निवासियों के अतिरिक्त कोई भी भारतीय नागरिक यहाँ जमीन या मकान नहीं खरीद नहीं सकता है |

प्रश्न: केंद्र शासित प्रदेश किसे कहते हैं ?

उत्तर: भारतीय संघ की कई इकाइयाँ जिनको बहुत कम ही अधिकार प्राप्त हैं | अपने छोटे आकार के चलते ये स्वतंत्र प्रान्त बन सकते अथवा इन्हें किसी मौजूदा प्रान्त में विलीन भी नहीं किया जा सकता है | और इन्हें पूर्ण राज्य का दर्जा भी नहीं प्राप्त है ऐसे छोटे प्रान्तों को केंद्र शासित प्रदेश कहा जाता है | जैसे - दिल्ली, चंडीगढ़, लक्षद्वीप आदि |

प्रश्न: भारतीय संविधान शरीर से संघात्मक है, परंतु आत्मा से एकात्मक है | इस बात की पुष्टि के लिए तर्क दीजिए |

उत्तर: भारतीय संविधान शरीर से संघात्मक है, परंतु आत्मा से एकात्मक है, यह निम्न बातों से स्पष्ट है |

(i) समवर्ती सूची में वर्णित अधिकार के अनुसार केंद्र और राज्यों के बीच बने कानून को लेकर विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय केंद्र के पक्ष में ही जाता है |

(ii) आपातकाल की स्थित में राज्यों के सभी अधिकार छीन जाते है और केन्द्रीय शासन स्थापित हो जाता है |

(iii) केंद्र को राज्यों के मुकाबले अधिकार अधिकार प्राप्त हैं |

(iv) केंद्र कभी भी राज्य सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगा सकता है |

(v) एकहरी नागरिकता जो एकात्मक व्यवस्था है |

(vi) सभी के लिए एक ही संविधान और एकीकृत न्यायपालिका |

www.atpeducation.com

Downloaded from: www.atpeducation.com

Link: http://www.atpeducation.com/view-notes.php?id=notes&ch=10&chpt=Political Science&me=1&view=chapter 2: संघवाद &page=1